

प्रेषक,

एल० एम० पन्त,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत, उत्तरांचल  
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून :: दिनांक ०६ अक्टूबर, 2006

विषय-राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु नगर पंचायतों को तदर्थ आधार पर धनराशि का संक्रमण (तृतीय तिमाही हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगर पंचायतों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 की तृतीय किश्त हेतु रु० 18342000.00 (रु० एक करोड़ तिरासी लाख ब्यालीस हजार मात्र) की धनराशि तदर्थ आधार पर संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है-

(1) द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों प्राप्त होने पर नगर पंचायत को वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु संस्तुत धनराशि को आवंटित धनराशि से समायोजित कर लिया जायेगा।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये वित्त सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जाएगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से ध्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का वाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी

सनादेश संख्या- 1596 /XXVII(1)/2006, दिनांक: 06 अक्टूबर, 2006 का संलग्नक।  
नगर पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2006-07 में प्रथम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुक्रम तृतीय किस्त हेतु  
संकमित धनराशि का विवरण

क्र० सं०	नगर पंचायत का नाम	तृतीय किस्त हेतु आवंटित धनराशि (धनराशि हजार में)
1	2	3
1	बडकोट	572
2	गंगोत्री	57
3	वदीनाथ	79
4	कंदारनाथ	45
5	नन्दप्रयाग	469
6	कर्णप्रयाग	654
7	सुंदरप्रयाग	938
8	गीघर	682
9	भुनिकीशेरी	616
10	गीतिनगर	469
11	देवप्रयाग	469
12	धम्वा	617
13	डाईवाला	629
14	हरवटपुर	722
15	कातादुंगी	479
16	भीमताल	459
17	लालकुआ	510
18	दिनेशपुर	692
19	मुलानपुर	603
20	कैलाखेडा	608
21	शक्तिगढ़	373
22	महुआडाबरा	477
23	महुआखेडागंज	692
24	द्वाराहाट	469
25	डौंडीहाट	469
26	धारमूला	602
27	चम्पावत	938
28	लोहाघाट	547
29	झररेडा	733
30	लण्डोरा	1252
31	तजसर	1421
	योग:-	18342

(रु० एक करोड़ तिरासी लाख बयालीस हजार मात्र)

(एल०एम० पन्त)

5/10/2006



प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेतर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायत/ नोटीफाइट एरिया/ कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करो से समनुदेशन-00 -20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।

सलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(एल0एम0 पन्त)  
अपर सचिव

संख्या- 1596 (1)/XXVII(1)/2006 तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 3- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/ कुमायूँ, उत्तरांचल।
- 4- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
- 7- समस्त वरिष्ठ जिला कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 8- विभागीय अधिकारी/ वित्त नियंत्रक/ मुख्य/ वरिष्ठ लेखाधिकारी / सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 10- एन0 आई0सी0, सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

आज्ञा से,

5/10/2006  
(एल0एम0 पन्त)  
अपर सचिव